SHRI R. V. SWAMINATHAN: Is there any proposal to have a trade agreement with USA?

SHRI MOHAN DHARIA: We shall always be happy to have trade agreements with all the countries in the world as they are going to serve our own interest.

Display of 'Welcome to Maharashtra' Posters at Belgaum Airport

*490. SHRI K. LAKKAPPA:

SHRI F. H. MOHSIN:

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether the Karnataka Government has taken up the matter with the Civil Aviation Department of his Ministry regarding display of 'Welcome to Maharashtra' posters at Belgaum airport;

(b) if so, the reaction of his Ministry thereto;

(c) whether any action has been taken against those held responsible;

(d) whether the town of Belgaum is in dispute between the two States; and

(e) whether Union Government have decided not to do anything which may harm both the States?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) से (ङ). सभा पटल पर एक विवरण रखा है ।

विवरण

(क) से (ङ). जी, हां । पर्यटन विभाग तथा राज्यसरकारों द्वारा प्रकाशित किये गये पोस्टरों को, पर्यटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सिविल हवाई अड्डों पर प्रदर्शित किया जाता है । बेलगाम हवाई अड्डे पर प्रदर्शित किये गये कुछेक पोस्टर ये हैं :—

(i) शीर्षक :—तमिलनाडु-भारत-नाट्यम नृत्य का एक दृश्य ।

( ) पर्वतीय, वन गुजरात—जिसमें तालाब से पानी पीते हुए शेर का दृश्य दिखाया गया है ।

(iii) शीर्षक :—महाराष्ट्र की एक विशाल सांस्कृतिक झांकी आपका स्वागत करती है । (इसका शीर्षक "महाराष्ट्र आपका स्वागत करता है" नहीं है जैसा कि प्रश्न में उल्लिखित है) ।

( ) शीर्षक :—महाराष्ट्र का गौरव ऐल्लोरा ।

(v) शीर्षक :—दिल्ली–जामा मस्जिद का चित्र ।

और पोस्टरों के साथ साथ ऊपर (iii) तथा (iv) में निर्दिष्ट महाराष्ट्र से संबंधित पोस्टर भी लगभग दस वर्ष पूर्व बेलगाम विमानक्षेत्र पर लगाए गए थे । शरू में उन्हें पुराने यात्री लौंज में प्रदर्शित किया गया था । लगभग दो वर्ष पूर्व, उन्हें वहां से हटा कर तमिलनाडु, दिल्ली तथा गुजरात से संबंधित अन्य पोस्टरों के साथ साथ नये यात्री लौंज में लगा दिया गया है ।

कर्णाटक पर्यटन विकास निगम ने भी चार पोस्टर भेजे हैं जिन में कर्नाटक के रोचक स्थलों का चित्रण किया गया है और इन पोस्टरों को 1-7-1977 से बेलगाम विमानक्षेत्र पर भी यात्री लौंज में प्रदर्शित किया गया है ।

क्योंकि "महाराष्ट्र की एक विशाल सांस्कृतिक झांकी आपका स्वागत करता है" शीर्षक वाले पोस्टर से प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न हुई प्रतीत होती है, अतः इस पोस्टर को बदलने के निर्देश जारी किये जा रहे हैं । ऊपर बताई गई परिस्थितियों में किसी के विरुद्ध कोई कार्यवाही करने का प्रश्न ही नहीं उठता ।

SHRI K. LAKKAPPA: I have carefully gone through the statement and from this I find that answers are given to those questions which are not asked. About part (d) of my question, I think, the Minister is not competent to answer that question.

Is the hon. Minister aware that certain mischievous elements in the Ministry of Civil Aviation and Tourism are trying to provoke people between one State and another by depicting such posters at Belgaum Air Port? Belgaum is in Karnataka. This is creating a mischievour depiction of posters in that area. The Prime Minister is here. I am asking a question as to whether such elements are creating an impression in the country that even the Mahajan Commission's Report has not been accepted...

MR. DEPUTY SPEAKER: You come to tourism.

SHRI K. LAKKAPPA: There is a deliberate attempt on the part of the Tourism Department working in Bombay engineered through Delhi to create this controversy between these two States. They are creating a mischievous controversy. I want to know whether the hon. Minister is aware of that and, if so, what action he is going to take against such elements who are engineering this controversy.

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक माननीय सदस्य ने कुछ मिसचीवस तत्वों के बारे में कहा इसकी मुझको जानकारी नहीं है कि ऐसे कोई तत्व हैं । जहां तक मुझे जानकारी है ऐसे तत्व मेरे मंत्रालय में नहीं हैं जो इस तरह से सीमा विवाद के सवाल पर किसी तरह की गलतफ़हमी और दुर्भावना पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं ।

जहां तक दूसरा सवाल है इसको वहां लगाने का, मैं आपकी जानकारी में लाना चाहता हूं कि यह पोस्टर पिछले 10 साल से वहां लगा हुआ है । दो साल पहले जब नया लाऊंज बना तो पुराने लाऊंज से उस पोस्टर को ट्रांसफ़र कर के वहां लगाया गया । और जो पोस्टर्स के बारे में माननीय सदस्य ने कहा तो तमिलनाडु गुजरात के पोस्टर्स भी लगे हुए हैं टूरिज्म को आकर्षित करने के लिये दिल्ली के भी पोस्टर लगे हुए हैं और कर्नाटक के पोस्टर भी नये लाऊंज पर लगाये गये हैं । और मैं माननीय सदस्य की जानकारी में ला दूं कि जैसा आपने कहा कि कर्नाटक सरकार ने कोई इस पर विरोध भेजा है, 10 साल तक कोई विरोध नहीं आया । अभी मुश्किल से जून के महीने में, लगभग 15 दिन पहले उनका विरोध आया था । तो उसको देखते हुए इस बात की जांच की गई और पाया गया कि केन्द्रीय पर्यटन विभाग ने इस पोस्टर को लगाने के लिए नहीं भेजा । यह पोस्टर महाराष्ट्र टूरिस्ट कोरपोरेशन का है, और जैसे और लोगों ने वहां पोस्टर्स डिसप्ले किये उसी तरह से महाराष्ट्र ने भी केवल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिये लगाये हैं । वह पोस्टर हवाई अड्डे पर यात्रियों के विश्राम की जगह लगाया गया था । जो आपने कहा है "वैलकम टू महाराष्ट्र" पोस्टर से कुछ और भावना प्रकट होती है, तो मान्यवर, मेरे पास वह पोस्टर है और इसे अनावश्यक रूप से सीमा विवाद पर कोई तनाव पैदा नहीं हो सकता, ऐसा इस पोस्ट को देखने से नहीं लगता है ।

This is the Poster: "Maharashtra welcomes you to its cultural panorama" issued by the Directorate of Tourism, Government of Maharashtra, Bombay.

तो इसमें कहीं कोई केन्द्रीय पर्यटन विभाग के हाथ की बात नहीं है । तो मैं माननीय सदस्य को बहुत स्पष्टतौर से कहना चाहता हूं कि इसमें किसी तरीके से किसी सीमा

विवाद को बढ़ाने या फैलाने या उसके बारे में किसी तरह का विवाद खड़ा करने का कोई प्रयास नहीं है। केवल शुद्ध रूप से पर्यटन के विकास के लिए सामान्यतौर पर जैसे पोस्टर लगाये जाते हैं वैसे ही यह भी लगाया गया है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: It does not contain any lion or tiger.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE: He is looking at every lady as a lion. During 20 months, he looked at one lady as lioness.

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : जहां तक विवाद का सवाल है कि बेलगांव कहां है यह फिलहाल इस सवाल से जुड़ा हुआ नहीं है और मैंने बहुत स्पष्टतौर से कहा है कि जो यह पोस्टर है इसके डिस्प्ले से कोई विवाद का मामला न सुलझता है न उलझता है। वह अपनी जगह पर है। उसको सामान्यतौर पर सरकार जिस तरीके से तय करेगी वैसा होगा।

SHRI K. LAKKAPPA: What is that protest letter and the contents of the letter which was sent recently by our Government to stop such malicious propaganda? I would also like to know whether it is not a fact that there is a journal of the Indian Airlines wherein it has been written that Belgaum is in Maharashtra and it has also created a mischievous malicious propaganda when there is a dispute between the two states. Then there was a Report by the Mahajan Commission. Why such a controversy has been created? Is he going to withdraw all such malicious propaganda made by your Ministry either in the journal of the Indian Air-lines or at the airport? What is the assurance that the hon. Minister is going to give?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : जहां तक प्रोटेस्ट लेटर का सवाल है उसकी मैं जानकारी करूंगा। ऐसे भी जो राज्य सरकारें केन्द्र को लिखती हैं वह जरूरी नहीं है कि सदन के सामने रखा जाये क्योंकि उसमें बहुत सी बातें ऐसी होती हैं लेकिन जो पत्र है उसमें केवल यही है कि जो पोस्टर प्रदर्शित किया गया है उसके प्रदर्शित करने से वहां के लोगों की भावनाओं पर विपरीत असर हुआ है और उसके लिए कुछ लोग वहां पर अपनी भावनाओं को प्रकट करने के लिए इकट्ठा भी हुए गये थे, इस आशय का पत्र वह था। उसको देखते हुये निश्चित रूप से इसकी जानकारी की गई महाराष्ट्र सरकार से भी और जो हमारा सिविल एविएशन आफिसर है उससे भी। उससे जानकारी करने के बाद जो यह पोस्टर है उसको बदलने की कार्यवाही भी हम कर रहे हैं ताकि उसकी जगह दूसरा ऐसा पोस्टर हो जिससे माननीय सदस्य जैसे लोगों को कोई गलतफहमी न हो। लेकिन पोस्टर वहां किसी भी स्टेट का लग सकता है। हर स्टेट टूरिस्ट्स को आकर्षित करने के लिए पोस्टर लगाती है।

SHRI K. LAKKAPPA: He has not answered my question. What is that protest letter which was written by our Government?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : इसकी कोई जानकारी मुझे नहीं है। मैं देख लूंगा।

SHRI K. LAKKAPPA: The journal of the Indian Airlines has mentioned that Belgaum is in Maharashtra. What about that?

DR. KARAN SINGH: What about the journal?

SHRI F. H. MOHSIN: I can understand the reply that is given by the Minister that the posters produced by the Department of Tourism and the State Governments are displayed at civil aerodromes as a tourist promotion measure. I have no objection about that. But the posters are relating to all other States except Karnataka. That is the only objection. They are as follows:

(i) Caption: Tamil Nadu—with a Scene of Bharatanatyam dance.

(ii) Hill forest Gujarat depicting scenery—Lion drinking water from a pond.

(iii) Caption: Maharashtra welcomes you to its cultural panorama. (The caption is not "Welcome to Maharashtra" as stated in the Question).

(iv) Caption: Ellora the pride of Maharashtra.

(v) Caption: Delhi—a picture of Jama Masjid.

Does the Minister know that there are posters produced by the Karnataka Tourism Development Corporation—very beautiful posters? Why did they not find any place in the aerodrome? (b) I would like to know whether any advertisement charges are recovered from these different States for displaying these posters at the aerodrome and whether it is on payment basis? Is the Minister aware that this agitation has taken place because of some statements made by the Railway Minister who recently visited Belgaum and made some statements regarding the border dispute which are agitating the minds of the people there. Those statements came to their notice and then the agitation took place. I want to know whether those remarks made by Prof. Madhu Dandavate reflect the opinion of the Central Government and whether they will, in any way, help to solve the border dispute between the two States?

MR. DEPUTY-SPEAKER: The third part of the question, I do not think the Minister can answer. *(Interruptions)*

SHRI F. H. MOHSIN: This is the direct result of the remarks made by Prof. Madhu Dandavate who recently visited Belgaum.

MR. DEPUTY-SPEAKER: You have asked the question. In my opinion, he cannot answer that.

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): I might clarify that, if any remarks has been made by the Railway Minister which does not relate to the Railways, that does not bind the Government. Only the remarks made by the Prime Minister will bind the whole Government.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: On a point of order. The hon. Prime Minister has said that only the Prime Minister can make a statement on the policy of the Government; no other Minister is entitled to make a policy statement. Does that mean that in the context of the collective responsibility of the Government, no Minister of the Government can make a policy statement? They only thing is that, if a Minister makes a policy statement which is at varianc with the policy of the Government, then the Prime Minister can come in. Otherwise, any Minister can reflect the policy of the Government. I do not think the hon. Prime Minister is in order.

SHRI MORARJI DESAI: Even the Prime Minister will not make any statement without its having been decided by Government. Let him be assured of that.

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक कर्नाटक सरकार के टूरिज्म के पोस्टर्स वहां पर लगाने या न लगाने का प्रश्न है इस सम्बन्ध में कर्नाटक सरकार की रुचि का अभाव रहा है, उन्होंने पोस्टर लगाने के लिए हमसे आग्रह नहीं किया । लेकिन जैसे ही यह विवाद खड़ा हुआ, हमने कर्नाटक सरकार से कहा कि पर्यटन के विकास के लिए यदि आपके पास कोई पोस्टर हों तो हमें दे दें, हम उनको लगायेंगे । अब वह हमको मिल गये हैं और उनको लगाने की व्यवस्था की जा रही है ।

दूसरी बात जहां तक किराये के सम्बन्ध में है, इसमें किसी तरह का शुल्क नहीं लेते हैं ।

DR. BAPU KALDATY: I strongly protest against. and condemn, the attitude of Mr. Lakkappa in this House for unnecessarily drawing the inter-State dispute here on the question of civil aviation. He should not have done that. (Interruptions)

मेरा सवाल बिल्कुल साफ है कि क्या सिर्फ बेलगाम के हवाई अड्डे पर महाराष्ट्र के पोस्टर हैं या अन्य जगहों पर जहां-जहां हवाई अड्डे हैं वहां भी महाराष्ट्र के पोस्टर हैं ।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : कई स्थानों पर हैं ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : पर्यटन विभाग ने विभिन्न देशों के पर्यटकों को इस देश में आमंत्रित करने के लिए जो पोस्टर्स आदि बनाये थे, क्या सरकार उनमें कोई परिवर्तन करेगी ? विशेष रूप से जब महाराजा कर्ण सिंह मंत्री थे, उन्होंने महाराजा का प्रतीक बनाया था जो एअर इण्डिया का प्रतिनिधित्व करते हुये पर्यटकों को आमंत्रित करता था, अब यह देश महाराजाओं का देश नहीं रहा, साधारण नागरिकों का देश है—इसलिए क्या इसमें भी कोई परिवर्तन होगा ?

डा० कर्ण सिंह : मेरे मंत्री बनने से 15 वर्ष पहले इसको बनाया गया था, जब से एअर इण्डिया बना तब से महाराजा वहां हैं, मैं मराहाजा को वहां नहीं लाया, बल्कि मैं ने तो महाराजाओं को समाप्त करने में योगदान दिया है ।

श्री पुरुषोत्त कौशिक : माननीय सदस्य को तो प्रसन्नता होनी चाहिये, महाराजा वहां स्वागत नहीं करा रहे हैं, बल्कि स्वागत करने के लिए खड़े हैं ।

International Air Cargo Complex at Ahmedabad

*491. PROF P. G. MAVALANKAR: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government have already accepted in principle the proposal pressed by the Government of Gujarat to set up an international air cargo complex at Ahmedabad;

(b) if so, broad details thereof;

(c) whether the steps are already being taken for implementing the said proposal and if so, what are they; and

(d) when will the said complex be opened and at what total cost?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) से (घ). गुजरात सरकार के परामर्श से अहमदाबाद विमानक्षेत्र पर एक समेकित एयर कार्गो काम्प्लेक्स स्थापित करने का प्रस्ताव सिद्धान्त रूप में स्वीकार कर लिया गया है। यह भी स्वीकार किया गया है कि प्रस्तावित एयर कार्गो काम्प्लेक्स का प्रबन्ध/परिचालन गुजरात निर्यात निगम के द्वारा जो कि एक राज्य सरकार का उद्यम है, किया जाएगा ।

नागर विमानन के महानिदेशक ने गुजरात निर्यात निगम को अहमदाबाद विमानक्षेत्र पर सीमा शुल्कों की जांच तथा जांचे गये कार्गो के भंडार आदि की सुविधा के लिए अतिरिक्त आवास के निर्माण करने की अनुमति पहले ही प्रदान कर दी है । प्रस्तावित कार्गो काम्प्लेक्स के किसी समय अगस्त, 1977 में तैयार हो जाने की आशा है । हाथ में लिए गए सिविल कार्यों की कुल लागत का अनुमान करीब 47,000 रुपए लगाया जाता है ।